>

Title: Need to increase the utility of Aadhar cards in the country.

श्री नारनभाई कछाड़िया (अमरेली): सभापति महोदय, धन्यवाद। आपने मुझे शून्य काल के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का मौका दिया इसके लिए मैं आपका बहुत आभार प्रकट करता हूं। मैं इस विषय पर बोलने जा रहा हूं कि सरकार अभी तक आधार कार्ड को विभिन्न आवश्यक सेवाओं के साथ जोड़ने की कोई ठोस योजना नहीं बना पायी है, जैसे - आधार कार्ड को मनरेगा की मजदूरी के भुगतान तथा पासपोर्ट बनाये जाने के साथ लिंक करना इत्यादि। इसके अलावा आधार कार्ड बनवाये जाने के लिए आवश्यक कागजात की जांच भी एक महत्वपूर्ण विषय है जिस पर सरकार ने अभी तक कोई ध्यान नहीं दिया है। जिसके फलस्वरूप कोई भी अन्य देश का व्यक्ति आसानी से आधार कार्ड पा कर भारतीय नागरिकता का दावा कर सकता है। इसके लिए भी सरकार को आवश्यक धनराशि आवंटित कर आधार कार्ड को बनवाये जाते समय उनकी कागज की जांच हेतु विशेष ध्यान देना होगा।

सरकार पैन कार्ड की भांति आधार कार्ड की प्रायोगिकता को आवश्यक एवं प्रासंगिक बनाना होगा अन्यथा आधार कार्ड अन्य गैरजरूरी कार्डों की भांति बन रह जाएगा। सरकार को चाहिए कि पैन कार्ड की भांति खाता खुलवाने, प्रत्येक वित्तीय लेन-देन के समय, शेयर व म्युचल फंड, मकान, आभूषण एवं कार इत्यादि के खरीद-फरोख्त के समय आधार कार्ड का उल्लेख करना अनिवार्य करना चाहिए जिससे आधार कार्ड के प्रयोग का दायरा बढ़ सके और उसकी उपयोगिता का आम जनमानस को पता चल सके। जैसा कि हमें ज्ञात है, आधार कार्ड बनवाने वालों का दायरा आने वाले कुछ वर्षों में बढ़ेगा, वैसे ही आधार कार्ड की भविष्य में उपयोगिता साबित करने हेतु सरकार को वर्तमान में ही मजबूत योजना बनाने की आवश्यकता है।